



एम. ए. पूर्व (समाजशास्त्र)

पंचम सेमेस्टर

सांस्कृतिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

- इकाई - (1) समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, समस्याएं, मूलतत्व।
- इकाई - (2) अगस्त कांभट - विज्ञानों का संस्तरण, प्रिस्तरिक नियम, प्रत्यक्षवाद।
- इकाई (3) मैक्सवेबर - नौकरशाही सामाजिक क्रिया का सिद्धांत, सत्ता की अवधारणा।
- इकाई (4) कार्ल मार्क्स - ऐतिहासिक मौलिकवाद, ठण्डात्मक मौलिकवाद, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत।
- इकाई (5) दुखीमि - आत्महत्या का सिद्धांत, सामाजिक एकता का सिद्धांत।

X

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)

Sushila



द्वितीय पेपर

सामाजिक अनुसंधान की विधियाँ

- बुकाई (1) सामाजिक अनुसंधान का अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार, उद्देश्य, महत्व, वैज्ञानिक पहचान, उपबलपना।
- बुकाई (2) सर्वेक्षण - अर्थ, विशेषताएँ, उद्देश्य, सीमाएँ, प्रकार, भारत में सामाजिक सर्वेक्षण।
- बुकाई (3) निदर्शन, तथ्य संकलन के स्रोत, पैमाना, समाजमिति।
- बुकाई (4) अवलोकन, साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली, वैयक्तिक अध्ययन।
- बुकाई (5) तथ्यों का संकलन, वर्गीकरण, सांख्यिक प्रतियेदन लेखन, शोध समस्या, तथ्यों का वर्गीकरण।

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)

S. K. S. S.



द्वितीय पेपर

ग्रामीण समाजशास्त्र

- प्र. 1 ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था, उत्पत्ति, विकास, भारतीय ग्रामीण व्यवस्था, भारतीय ग्रामीण सामाजिक संरचना।
- प्र. 2 कृषक समाज, लघु समाज, लोक संस्कृति।
- प्र. 3 ग्रामीण शक्ति संरचना, नेतृत्व और उसके बदलते प्रतिमान।
- प्र. 4 कृषि सम्बन्धी परम्परागत एवं समकालीन अवधारणाएँ।
- प्र. 5 भारतीय ग्रामीण प्रक्रिया - वैश्वीकरण, संस्कृतिकरण, स्थानीयकरण, लघु एवं छोट्टे परम्पराएँ।

X

Sushila

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G.)

चतुर्थ पेपर

भारत में नगरीय समाज

इकाई (1)

नगरीय समाज अवधारणा महत्व
नगरीय समुदाय और नगरीय
जीवन विधि।

इकाई (2)

नगरीय समुदाय का वर्गीकरण,
नगर कस्बा, नगरों का विकास,
औद्योगिक सन्दर्भ में।

इकाई (3)

भारत में नगरीकरण, नगरीकरण की
नवीन विचारधारा, नगरीकरण का
प्रभाव नगरीय संस्कृति।

इकाई (4)

नगरीकरण के बदलते प्रतिमान,
बदलता व्यावसायिक ढांचा, सामाजिक
स्तरीकरण, जाति, वर्ग, लिंग, परिवार
आवासीय विकास।

इकाई (5)

नगरीकरण की समस्याएँ, माइक
ड्रव्य, मद्यपान, वैश्यावृत्ति,
गंदीबस्ती, भ्रष्टाचार, साक्षर अपराध।

x

R

CIPAI
Governor Mahatma Gandhi P.S.
College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G.)

Sushila



द्वितीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

- उत्तर (1) आधुनिकता एवम् अन्तर आधुनिकता, अर्थ, विशेषताएं, अंतर और भविष्य।
- उत्तर (2) संरचनात्मक प्रकारवाद सिद्धांत - टाल्कट पारसेस, सामाजिक व्यवस्था और प्रकार, आर. के. मर्टन, कार्य और अकार्य, नव-प्रकारवाद।
- उत्तर (3) संघर्ष सिद्धांत - डेरोन्डर्फ, कोलिंस, कूजर एंड मार्क्स।
- उत्तर (4) प्रवृत्तिवादी सिद्धांत - एडमंड रिसेल, एल्फर्ड शूल्ज, गारफिंकेल का नृजाति का सिद्धांत।
- उत्तर (5) भारतीय समाजशास्त्रीय सिद्धांत - राधाकमल मुखर्जी का मूल्यों का सिद्धांत, ए. आर. देसाई - भारत में राष्ट्रियता का उद्भव, विवेकानंद - भारत का भविष्य, एस्. सी. दुरिथे, जाति व्यवस्था

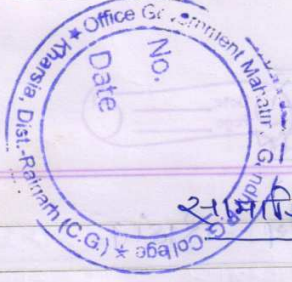
— x —

(11)

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G.)

Sushil



द्वितीय प्रश्न पत्र

सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी

- ब्रकार 1 सांख्यिकी की अवधारणा - अर्थ, विशेषताएँ, उपयोगिता और सीमाएँ।
- ब्रकार 2 केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, समानान्तर माध्य, माध्यिका, बहुलक, अर्थ, विशेषताएँ, उपयोगिता और सीमाएँ तथा समस्याएँ।
- ब्रकार 3 चित्रों का विन्दुरेखीय प्रदर्शन अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार, उपयोगिता और सीमाएँ।
- ब्रकार 4 चित्रों का ग्राफ द्वारा प्रदर्शन अर्थ, प्रकार, विधियों का नूतन उपयोगिता।
- ब्रकार 5 सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपयोगिता, सीमाएँ और त्रुटियाँ।

(P)

Sushila

PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)



द्वितीय प्रश्न पर

ग्रामीण विकास एवं परिवर्तन

- बुकार्ड (1) ग्रामीण जनानिकी और परिवर्तन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण।
- बुकार्ड (2) ग्रामीण सामाजिक संस्था - परिवार, जाति प्रथा, जाति पंचायत, ग्रामीण शिक्षा।
- बुकार्ड (3) ग्रामीण परिवर्तन - ग्रामीण भारत में सामाजिक परिवर्तन, परिवर्तन में डीउथोगिकरण और नगरीकरण की भूमिका और बाधाएं।
- बुकार्ड (4) ग्रामीण सामाजिक समस्याएं और कृषक आन्दोलन, गरीबी, बेरोजगारी, मृणशस्त्र, गुटबंदी, पलायन।
- बुकार्ड (5) ग्रामीण विकास और कार्यक्रम योजनाएं, विकास, समस्याएं, पंचायतीराज।

Sushila


PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)



चतुर्थ-पश्न पत्र

नगरीय सामाजिक संरचना एवम् समस्यायें

- बुकाई 1 शहरीय एवम् नगरीय आयाज बुकाईल
दुखीम कार्लमार्क्स एवम् मैक्सवेबर्ग।
- बुकाई 2 नगरीय पारिस्थितिकी और बसके
सिद्धान्त, अवधारणा, विशेषताएँ।
- बुकाई 3 समाजशास्त्रीय विचारक - जार्ज सिमेल
महानगर, लुईसबर्थ, नगरीकरण, रेडक्लिफ
ग्रामीण - नगरीय अन्तः सम्बन्ध।
- बुकाई 4 नगरीय समस्यायें - पलायन गरीबी
बेरोजगारी, पर्यावरण प्रदूषण।
- बुकाई 5 इन्डियसगढ़ में नगरीय प्रबंधन, नगरीय
प्रबंधन का अर्थ कार्य, प्रभाव, प्रबंधन
के कारक, इन्डियसगढ़ में नगरीय
प्रबंधन में आने वाली समस्यायें,
इन्डियसगढ़ नगर-निगम।

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G.)

Sushila



द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय समाज का परिचय

ब्रह्मर्षि (1) समाज की विभिन्न विशेषताओं एवं आकार के संदर्भ में अवधारणा, धर्म, वर्ण, आश्रम, कर्म, वर्ग, पुंजीपति वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और जनजाति।

ब्रह्मर्षि (2) भारतीय सामाजिक संरचना, समकालीन विशेषताएं, धर्म निरपेक्षीकरण, आधुनिकीकरण, सामाजिक गतिशीलता, पश्चिमीकरण, औद्योगिकीकरण और नगरीकरण।

ब्रह्मर्षि (3) भारतीय समाज में सांस्कृतिक विभिन्नताओं के परिमाण, क्षेत्रीय एवं भौगोलिक विविधता, धार्मिक विविधता, भाषाई विविधता, जातीय विविधता, जनजातीय विविधता, राजनैतिक विविधता, वैवाहिक विविधता, रीति-रिवाज और विश्वास, परिवार और नातेदारी राष्ट्रीय एकीकरण।

ब्रह्मर्षि (4) क्षेत्र, समूह, समुदाय, विवाह एवं भारतीय सामाजिक संगठन को जोड़ने वाले तत्व व कड़ियाँ।

ब्रह्मर्षि (5) ग्रामीण अवधारणा - शहरीय समुदाय, परम्परा व आधुनिकता, भारतीय समाज में भूत और वर्तमान की निरन्तरता, भारतीय समाज में सामाजिक वर्गीकरण।



PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)

Sushilg



द्वितीय प्रश्न पत्र

औद्योगिक समाजशास्त्र

- इसर्ष (1) औद्योगिक समाजशास्त्र, उद्भव और विकास, प्रकृति, क्षेत्र व महत्व, औद्योगिक नियोजन, अर्थ, उद्देश्य, विधियाँ एवम् समस्याएँ।
- इसर्ष (2) उद्योग, औद्योगिकरण एवम् औद्योगिक क्रान्ति, अर्थ, विशेषताएँ, कारण और प्रभाव, औद्योगिक मनोबल - अर्थ, विशेषताएँ, महत्व।
- इसर्ष (3) औद्योगिक संबंध - अर्थ - प्रकार कार्य एवम् महत्व, औद्योगिक नीति-शास्त्री- अर्थ, विशेषताएँ, प्रकार, गुण-दोष।
- इसर्ष (4) औद्योगिक संगठन - औद्योगिक एवम् अनौद्योगिक संगठन, मानवीय संबंध - औद्योगिक संबंध, अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र एवम् उद्देश्य, औद्योगिक एवम् मानवीय संबंध में अंतर।
- इसर्ष (5) औद्योगिक विवाद एवम् समझौता (पुनर्) अर्थ, विशेषताएँ, कारण और प्रभाव, औद्योगिक लोकाचार के लिए औद्योगिक सहायिता।

Signature



दृतीय पेपर

Date _____
Page _____

जनान्विकीय शपरेखा

- इकाई (१) जनान्विकी - अर्थ क्षेत्र, विषयवस्तु एवम् महत्व।
भारत में जनान्विकीय अध्ययन एवम् शोध।
- इकाई (२) जनगणना - अर्थ विशेषताएं, जनगणना की योजना एवम् क्षेत्र, जनगणना का महत्व।
- इकाई (३) भारत में जन्मदर और मृत्युदर, भारत में जनसंख्या का घनत्व।
- इकाई (४) माल्थस एवम् नवमाल्थस का जनसंख्या का सिद्धान्त, जनसंख्या का प्राणिशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुकूलतम जनसंख्या का सिद्धान्त।
- इकाई (५) भारत में जनान्विकीय की समस्या, भारतीय जनसंख्या का सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू।

Sushila

PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)

चतुर्थ पेपर

अपराध शास्त्र



इकाई (1) अपराध की ओर अवधारणात्मक दृष्टिकोण, वैध, व्यावहारिक, समाजशास्त्रीय अपराध, बाल अपराध, अपराध के प्रकार- आर्थिक, हिंसात्मक, श्वेतपोश।

इकाई (2) अपराध के कारणों पर दृष्टि शास्त्रीय, सकारात्मक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक।

इकाई (3) अपराध व अपराधियों का परिवर्तित स्वरूप, संगठित अपराध, महिला व बच्चों के प्रति अपराध, साइबर अपराध, भ्रष्टाचार।

इकाई (4) सामाजिक समस्याएं - मद्रकपान और मादक द्रव्य व्यसन, वेश्यावृत्ति, आत्महत्या, आतंकवाद

इकाई (5) दंड के सिद्धांत - न्यायिक दंड, हतोत्साही दंड, सुधारणात्मक दंड, दंड की उपयोगिता और उसकी लागत।

Sushila

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G. College
Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)



चतुर्थ सेमेस्टर

पथम पेपर

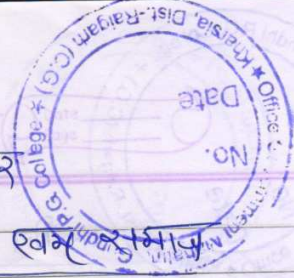
भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- इकाई (२) समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य - अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, समाजशास्त्र के प्रमुख इंडिकेटर्स
- इकाई (३) आदर्शवादी इंडिकेटर्स की अवधारणा - जी. एस. दुरियो का आदर्शवादी इंडिकेटर्स, एम. के. गाँधी का सत्य व अहिंसावादी इंडिकेटर्स
- इकाई (४) संख्यात्मक प्रकार्यात्मक अवधारणा, एम. एन. श्रीनिवास का संख्यात्मक इंडिकेटर्स, रामपुरा गाँव का अध्ययन, संरूढिकरण की अवधारणा, एस. सी. दुबे का समीरपेट गाँव का संख्यात्मक प्रकार्यात्मक विश्लेषण
- इकाई (५) संघर्ष का मार्क्सवादी इंडिकेटर्स, मार्क्सवादी विचारधारा की मुख्य अवधारणाएँ - डी. पी. मुखर्जी ए. आर. देसाई, राधाकमल मुखर्जी।
- इकाई (६) भारतीय समाज का इरावती कर्वे का विश्लेषण, शास्त्रीय एवं ऐंग्लीय इंडिकेटर्स, भारतीय समाज का एन. एस. शाह के द्वारा अध्ययन एन. के. बोस का साम्यवादी इंडिकेटर्स

Exhibit

द्वितीय पेपर

भारत में उद्योग एवं



- वर्क (1) औद्योगिक नियोजन - अर्थ विशेषताएं
कार्य समस्याएं भारत में औद्योगिक
नियोजन, उद्योगों का सामाजिक दायित्व
- वर्क (2) मानव शक्ति - अर्थ, विशेषताएं, उद्देश्य,
प्रकार एवं महत्व, प्रेरणा और
प्रोत्साहन, अर्थ, विशेषताएं, प्रकार
और महत्व, औद्योगिक दुर्घटना
एवं सुरक्षा, मुआवजा और
पुरस्कार।
- वर्क (3) उद्योगों में नेतृत्व, अर्थ, विशेषताएं
प्रकार, नेतृत्व के सिद्धांत, भारत में
श्रम आन्दोलन का महत्व।
- वर्क (4) ट्रेड यूनियन - अर्थ, कार्य, भारत में
श्रम कल्याण, भारत में सामाजिक
सुरक्षा (औद्योगिक आवास)
- वर्क (5) औद्योगिक शक्तों की स्तरांगसत
श्रम एवं युक्तिकरण, महिला
एवं बाल शक्ति, सामूहिक
सौदेबाजी

X

PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raipur (C.G.)

Sushila




द्वितीय पेपर

भारत का सामाजिक जनानिकी

- बुनाई (1) भारतीय जनसंख्या दर की वृद्धि और प्रक्षेपण, जनसंख्या की संरचना, भारत में परिवार नियोजन।
- बुनाई (2) लोक स्वास्थ्य और भारत में स्वास्थ्य सेवार्ण, स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में लोक स्वास्थ्य के लिए कानून, सुसाव, लोक स्वास्थ्य में सुधार।
- बुनाई (3) जनसंख्या - शिक्षा, अर्थ, ताव, उद्देश्य, एवम् महत्व।
- बुनाई (4) भारत में जनगणना - जनसंख्या संरचना, जनसंख्या प्रक्षेपण, भारत में जनसंख्या नीति।
- बुनाई (5) भारतीय जनसंख्या का आर्थिक पहलू, जनसांख्यिकीय और सामाजिक परिवर्तन, विश्व जनसंख्या।

Sushila


PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)



चतुर्थ पेपर

अपराधशास्त्र और सुधारात्मक संस्थाएं

- इकाई (1) सुधार व इसके स्वरूप (प्रकार) सुधार का अर्थ एवं महत्व।
- इकाई (2) जेल में सुधार कार्यक्रम, भारत में जेल सुधारों का इतिहास, जेल पर राष्ट्रीय योजना, जेल की समस्याएँ मानवाधिकार एवं जेल-परिचालन।
- इकाई (3) आधुनिक सुधारात्मक संस्थाएँ - परिवीक्षा, पैरोल, खुली जेल, जेल का समाजशास्त्री
- इकाई (4) भारत में पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका, भारत में पुलिस व्यवस्था, पुलिस के कार्य, मानवाधिकार और पुलिस।
- इकाई (5) ^{उत्तरसंरक्षण} वाद की देखभाल कार्यक्रम - भारत में ~~वाद~~ उत्तरसंरक्षण कार्यक्रम, महाराष्ट्र और कर्नाटक में उत्तर संरक्षण कार्यक्रम।

६

PRINCIPAL

Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)

Signature



बी. ए. द्वितीय वर्ष

—पथम—पश्च पत्र

प्रश्न (1) भारतीय समाज के बारे में टिप्पणी
शास्त्रीय टिप्पणी, वर्ण, आश्रम, कर्म तथा
धर्म, क्षेत्र कार्य टिप्पणी, एम. एन. स्त्रीनिवास
तथा एस. सी. दुबे, शास्त्रीय तथा
क्षेत्र कार्य टिप्पणी का महत्व एवम्

अन्तःसम्बन्ध।

प्रश्न (2) भारतीय समाज की संरचना एवम् बनावट,
संरचना, गाँव, कस्बा, नगर तथा
ग्रामीण नगरीय अनुबंध, बनावट, जनजातियों,
दलित, महिलाएं तथा अल्पसंख्यक।

प्रश्न (3) भारतीय समाज के मौलिक संस्थाएं
जाति व्यवस्था, नातेदारी, परिवार, विवाह, वर्ग,
प्रश्न (4) पारिवारिक समस्याएं, बरेलू हिंसा, दहेज,
विवाह-विच्छेद, अन्तर्पीढ़ी एवम् अन्तःपीढ़ी संबंध,
बृहों की समस्या।

प्रश्न (5) सामाजिक समस्याएं, जातिवाद, क्षेत्रवाद,
साम्प्रदायिकता, मुठ्याचार एवम् युवा
ठारसंतोष।

(2)

Sushila

PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist. Raigarh (C.G.)



द्वितीय प्रश्न पत्र

- प्रश्न (1) अपराध की अवधारणा एवं प्रकार अपराध की पारम्परिक व्याख्या, शारीरिक प्रत्यक्षवादी तथा मनोवैज्ञानिक।
- प्रश्न (2) सामाजिक संरचना तथा नियमहीनता अपराधिता - आत्महत्या, संगठित अपराध, श्वेतकसन अपराध, आतंकवाद के कारण, परिणाम तथा उपचार।
- प्रश्न (3) भारतीय सामाजिक समस्याओं, भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रकृति एवं अपराध, सामाजिक विघटन, मध्यम मानक उच्च व्यसन तथा शिक्षावृत्ति।
- प्रश्न (4) 2003, उद्देश्य एवं स्वरूप 2003 के प्रमुख सिद्धांत आधुनिक सुधारात्मक अवधारणाएं, परिवीक्षा, पैरोल तथा खुली जेल।
- प्रश्न (5) सुधारात्मक प्रक्रिया, भारत में पुलिस तथा न्यायपालिका की भूमिका भारत में जेल सुधारों का इतिहास वंशीय का समाजशास्त्र।

(4)

Sushil

PRINCIPAL
Government Mahatma Gandhi P.G.
College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G.)